प्रकाशनार्थ

पटना, 22 अप्रैल। विश्व पृथ्वी दिवस 2022 के अवसर पर एशियन डेवलपमेंट रिसर्च इंस्टीच्यूट (आद्री) में सेंटर फॉर स्टडीज ऑन एंड क्लाइमेट (सीएसइसी) ने दो विशेष व्याख्यानों का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में आईआईटी, दिल्ली के प्रोफेसर डॉ. सग्निक डे और बिहार रिमोट सेंसिंग एप्लीकेशन सेंटर के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. कुमार रामजी प्रसाद सिंह द्वारा व्याख्यान दिए गए। व्याख्यान का विषय था 'पर्यावरण और जलवायु के क्षेत्र में निर्णय लेने में जीआइएस की भूमिका'।

डॉ. सग्निक डे ने दर्शकों को वैश्विक वायु गुणवत्ता निगरानी और वायु गुणवत्ता को मापने के लिए रिमोट सेंसिंग उपकरण के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि वायु गुणवत्ता डेटा की अच्छी आवृत्ति प्राप्त करने का आदर्श तरीका कृत्रिम बुद्धि और मशीन से सीख जैसी विभिन्न वैकल्पिक निगरानी प्रणालियों को एकीकृत करके एक हाइब्रिड दृष्टिकोण अपनाना है।

दूसरे व्याख्यान में, डॉ. सिंह ने बिहार में जीआईएस आधारित सूचना के प्रसार की बढ़ती प्रवृत्ति और रिमोट सेंसिंग, जीआईएस और जीपीएस टूल जैसे अनुप्रयोगों ने वर्तमान समय में स्थानिक पहलुओं की अवधारणा को कैसे बदल दिया है, इस पर प्रकाश डाला। उन्होंने आईडब्ल्यूएमपी, पीएमकेएसवाई जैसी कुछ परियोजनाओं का भी नाम लिया जिन्हें जीआईएस और रिमोट सेंसिंग एप्लिकेशन का उपयोग करके राज्य में लागू किया गया है।

आद्री के सदस्य सचिव डॉ. प्रभात पी घोष ने स्वागत भाषण दिया और सुश्री देबरूपा घोष ने धन्यवाद ज्ञापन किया। सुश्री गजल हाशमी ने कार्यक्रम का संचालन किया।

(अंजनी कुमार वर्मा)